

रेल-समुद्र-रेल परविहन

प्रलिस के लयल:

रेल-समुद्र-रेल परवलहन, [कोयला](#), [शकतनीत](#)

मेन्स के लयल:

भारत में कोयला नकलसी में वृद्धकरने में चुनौतयलँ, कोयले से संबधतल पहलँ

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चरुा में कुर्यलँ?

कोयला मंतरालय ने रेल-समुद्र-रेल परवलहन को बढावा देने के लयल एक पहल की है जसलका उद्देश्यघरेलू कोयले की सुचारु आवाजाली के लयल रेल-समुद्र-रेल (RSR) परवलहन को जोडना है ।

रेल-समुद्र-रेल परवलहन:

परवलहन:

- यह एक अभनलव मल्टीमॉडल परवलहन रणनीतल है ।
 - यह खदानलँ से बंदरगालँ और अंतमल उपयलगकर्तलँ तक नरलबाध कोयला परवलहन के लयल रेल और समुद्री मारुगलँ को एकीकृत करता है ।
 - इसका उद्देश्य लॉजसलटकल दकषता में वृद्धकरने के साथ ही परवलहन लागत को कम करना है ।

कोयले के परवलहन से संबधतल चुनौतयलँ का हल:

- RSR को उत्पादन केंद्रलँ से उपभलग कषेत्रलँ तक कुशल कोयला परवलहन से संबधतल चुनौतयलँ का समाधान करने के लयल डलज़लइन कयल गयल है ।
 - कुल घरेलू कचुा कोयला भेजने का लगभग 75 परतशलत मध्य प्रदेश के कुछ हसलँ के साथ-साथ ओडशल, छतुतीसगढ, झारखंड जैसे प्रमुख कोयला उत्पादक राजुयलँ का थल ।
 - कोयला मंतरालय ने ऊरुजा की बढती मांग को पूरा करने के लयल कोयला उत्पादन बढाने की आवश्यकता को पहचानते हुषतलत वरुष 2030 तक लगभग 7.7% की चकरवृद्धलवलरुषकल वृद्धलदर (CAGR) का लकषुय रखते हुष कोयला उत्पादन में परुयाप्त वृद्धल का अनुमान लगायल है ।

तटीय नलवहन का लाभ उठानल:

- तटीय शपलल कोयला सहतल माल परवलहन के एक कफलयती और परुयावरण अनुकूल साधन के रूप में उभरल है ।
 - RSR पहल के हसलँ के रूप में भारत के दकषणल और पशुचमल तटलँ पर बंदरगालँ की कषमता का पूरी तरह से उपयलग करने का परुयास कयल जल रहा है ।
 - यह अनुकूलन गुजरात, महाराषुटर, कर्नाटक, गोवल, तमललनाडु, केरल और आंधर प्रदेश जैसे राजुयलँ में सुथतल बजललीघरलँ तक कोयले की कुशल आवाजाली को सकषम बनातल है ।

लागत अनुकूलन और परतसलपरुद्धी मूलुय नरलधारण:

- RSR का चयन करने से महतुत्वपूरुण लागत बचत हो सकतल है ।
 - दकषणल भारत में अंतमल उपयलगकर्तलँ के लयल परतलटन लगभग 760-1300 रुपए की संभलवतल बचत ।
 - यह लागत बचत घरेलू सुतर पर उत्पादतल कोयले को आयाततल कोयले की कुल लागत के मुकलबले अधकल परतसलपरुद्धी बना सकतल है ।

भीडभाड कम करना और लॉजसलटकलस बढानल:

- वर्तमान में रेलवे लगभग 55% कोयला नकलसी का परबंघन करता है । कोयला मंतरालय का लकषुय वतलत वरुष 2030 तक कोयला नकलसी में रेलवे की हसलँसेदारी को 75% तक बढानल है ।
 - इस पहल का एक प्रलथमकल लकषुय पारंपरकल रेल मारुगलँ पर भीडभाड को कम करना है, जनलमें अकसर उचुच यलतलयात के

कारण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। रेल-समुद्र-रेल (RSR) सहित वैकल्पिक मार्गों पर ध्यान केंद्रित करने से इस भीड़ को कम करने तथा रसद/लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने की अपेक्षा है।

- विकास और भविष्य की संभावनाएँ:
 - कोयले के रेल-समुद्र-रेल परिवहन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, इसमें पछिले चार वर्षों में लगभग 125% की वृद्धि हुई है।
 - यह विकास पथ परिवहन के वैकल्पिक साधन के रूप में RSR की प्रभावशीलता और व्यवहार्यता को इंगित करता है। अगले सात वर्षों के भीतर भारत का कोयला उत्पादन लगभग दोगुना होने की उम्मीद के साथ देश भर के उपभोक्तकों को कोयले की नरिबाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में RSR की सफलता और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है।
- रेल-समुद्र-रेल कोयला निकासी में चुनौतियाँ:
 - कुशल रेल-समुद्र-रेल कोयला परिवहन और बढ़ी हुई क्षमता को संभालने के लिये मज़बूत रेल और बंदरगाह बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है।
 - प्रतिकूल मौसम की स्थिति, तकनीकी खराबी और परिवहन शृंखला में व्यवधान जैसी संभावित चुनौतियों से निपटने के लिये जोखिम न्यूनीकरण रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है।
 - सुचारु कार्यान्वयन के लिये रेल-समुद्र-रेल रणनीति कार्यान्वयन में शामिल विभिन्न मंत्रालयों के बीच नरिबाध सहयोग सुनिश्चित करना।

भारत में कोयला क्षेत्र से संबंधित पहल:

- UTTAM (खनन किये गए कोयले के तृतीय पक्ष मूल्यांकन द्वारा पारदर्शिता को अनलॉक करना)।
- भारत में पारदर्शी तरीके से कोयला के दोहन और आवंटन की योजना (SHAKTI)।
- ऑनलाइन कोयला मंजूरी प्रणाली: कोयला मंत्रालय द्वारा दी गई सभी अनुमतियों/मंजूरी और अनुमोदन के लिये ऑनलाइन आवेदन जमा करने हेतु अपने नविशकों को एकल खड़की पहुँच प्रदान करता है।
- कोयला आवंटन नगिरानी प्रणाली (CAMS): कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा राज्यों, राज्यों को एकल नोडल एजेंसी (SNA) और SNA द्वारा ऐसे उपभोक्तकों को कोयले के आवंटन की पारदर्शी तरीके से नगिरानी करना।
- वाणज्यिक कोयला खनन: सरकार ने नज्जी कंपनियों के लिये वाणज्यिक कोयला खनन की शुरुआत की है, जिससे उन्हें कोयला ब्लॉकों के लिये बोली लगाने और खुले बाज़ार में कोयला बेचने की अनुमति मिल गई है।

कोयला

- यह एक प्रकार का जीवाश्म ईंधन है जो तलछटी चट्टानों के रूप में पाया जाता है और इसे अक्सर 'ब्लैक गोल्ड' के नाम से जाना जाता है।
- यह ऊर्जा का एक पारंपरिक स्रोत है और व्यापक रूप से उपलब्ध है। इसका उपयोग घरेलू ईंधन के रूप में मोहा और इस्पात, भाप इंजन जैसे उद्योगों में और बजिली उत्पन्न करने के लिये किया जाता है। कोयले से प्राप्त वदियुत को तापीय वदियुत कहते हैं।
- विश्व के प्रमुख कोयला उत्पादकों में चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, भारत शामिल हैं।
- भारतीय कोयले में राख की मात्रा अधिक होती 35 से 45% तक होती है, विश्व के अन्य हिससों के कोयले में राख की मात्रा लगभग 15% होती है, और इसमें सल्फर की मात्रा भी कम होती है, लगभग 0.5%।
- भारत में विभिन्न प्रकार का कोयला:
 - एन्थ्रेसाइट (80-95% कार्बन, जम्मू-कश्मीर), बटुमिनिस (60-80% कार्बन, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश), लग्निाइट (40-55% कार्बन, राजस्थान, असम, तमिलनाडु), पीट (Peat) (40% से कम कार्बन, प्रारंभिक लकड़ी से कोयला बनने का चरण)।
- प्रमुख कोयला उत्पादक राज्य:
 - झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और तेलंगाना।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. भारत सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण इंदिरा गांधी के कार्यकाल में कयि गया था।
2. वर्तमान में कोयला ब्लॉक का आवंटन लॉटरी के आधार पर कयि जाता है।
3. भारत हाल के समय तक घरेलू आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिये कोयले का आयात करता था, कति अब भारत कोयला उत्पादन में आत्मनरिभर है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- वर्ष 1972 में इंदिरा गांधी सरकार के तहत कोयला क्षेत्र का दो चरणों में राष्ट्रीयकरण किया गया था। अतः कथन 1 सही है।
- कोयला ब्लॉक का आवंटन लॉटरी के आधार पर न होकर नीलामी के माध्यम से किया जाता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- कोयला क्षेत्र भारत में एकाधिकार क्षेत्र है। भारत के पास दुनिया का 5वाँ सबसे बड़ा कोयला भंडार है, लेकिन एकाधिकार फर्मों द्वारा कोयला उत्पादन की अक्षमता के कारण यह घरेलू आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिये कोयले का आयात करता है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

अतः विकल्प a सही उत्तर है।

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा/से भारतीय कोयले का/के अभिलक्षण है/हैं? (2013)

1. उच्च भस्म अंश
2. निम्न सल्फर अंश
3. निम्न भस्म संगलन तापमान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rail-sea-rail-transportation>

